an>

title: Ruling regarding notices of Adjournment motion.

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, मुझे श्री दुष्यंत चौटाला, प्रो. सौगत राय, श्री मोहम्मद बदरुद्दोज़ा खान, श्री के. सुरेश, श्री राजेश रंजन, श्री भगवंत मान, श्री कौशलेन्द्र कुमार, श्री ज्योतिरात्य सिंधिया, श्री के.सी. वेणुगोपाल, श्री के.वी. थॉमस, श्रीळ जयप्रकाश नारायण यादव, श्री भर्तृहरि माहताब, श्री के. करूणाकरन, श्रीमती सुप्रिया सुले से विभिन्न विषयों पर स्थगन प्रस्ताव की सूचनाएँ प्राप्त हुई हैं।

यद्यपि ये मामले महत्वपूर्ण हैं तथापि इनके आज के काम में व्यवधान डालना अनिवार्य नहीं है। ये मामले अन्य अवसरों के माध्यम से उठाये जा सकते हैं। अतः मैंने स्थगन प्रस्तावों की सूचनाओं की अनुमति प्रदान नहीं की है।

SHRI MALLIKARJUN KHARGE (GULBARGA): Madam, you have promised to take up the Gujarat issue in 'Zero Hour'. Our Member Shri Suresh is there. Kindly allow to take up. This is a very very important issue and that too, it is happening in Gujarat. You are also aware of it. Therefore, kindly permit Shri Suresh to speak on this.

माननीय अध्यक्ष : मैंने कभी मना नहीं किया है। मैंने पहले भी कहा था। यह आप लोगों के बनाये हुए नियम हैं कि क्वेश्चन आवर को डिस्टर्ब नहीं करना है और कागज वगैरह नहीं लहराना है। ऐसी कई बातें आपने नियम में की हैं।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : लेकिन मुझे दुख होता है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : Let me say something. मेरा भी कुछ अधिकार बनता है। ये सारी बातें होने के बावजूद मैंने कहा था कि मैं शून्यकाल में अलाऊ करूँगी। मैं भी मानती हूँ कि ऐसे मामले हाऊस में उठने चाहिए। मुझे इस बात का बहुत दुःख होता है कि पूरा एक घंटा, जो महत्वपूर्ण प्रश्नों के लिए होता है, तक हाऊस को डिस्टर्ब रखा गया। Please do not do that. मैंने कभी विषयों को उठाने के लिए मना नहीं किया है। मैं उचित समय पर मौका देती रहती हूँ।

इसलिए फिर एक बार मैं आप सबसे निवेदन करती हूँ, नियम हम सभी लोग बनाते हैं और मैंने हमेशा कहा है कि पेपर्स वगैरह नहीं लहराने चाहिए, ऐसा नियम आप लोगों ने ही बनाया है। ऐसी पद्धति न बनाएँ। मैं अलाऊ कर रही हूँ। आपने कहा था। मैंने पहले भी आपसे निवेदन किया था कि yes, I will allow. अभी मैं शून्यकाल में अलाऊ कर रही हूँ।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : मैडम, ऐसा नहीं है कि हम इस सदन में नई प्रथा डाल रहे हैं...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : नो एक्सप्लेनेशन। मैंने अपने विचार व्यक्त किए हैं।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: महोदया, आप भी जानती हैं कि क्वैश्चन ऑवर से पहले कई बार अडजर्नमेंट मोशन को प्रिल्मनरी परमिट किया है। यह आपके जमाने में भी हुआ है और हमारे जमाने में भी हुआ है।

माननीय अध्यक्ष : मैं जानती हूं और मैंने बोलने का मौका दिया है। आप बैठ जाइए, बहस मत कीजिए। कल मैंने आपको कहा भी था और आपको अवसर भी दिया था। मुझे भी इसकी समझ है। चेयर भी कुछ बातों को समझती है। मुझे केवल आपके सामने यह निवेदन करना था कि ऐसी प्रथा मत अपनाइए, यह ठीक नहीं है।